प्रैस विज्ञप्ति

11.02.2021

अग्रवाल महाविद्यालय में आंतरिक शिकायत समिति की ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन

अग्रवाल महाविद्यालय में दिनांक 11 जनवरी 2021 को एक ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया इसका विषय 'आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका और जिम्मेदारियां' रहा। इस कार्यशाला में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के लोक प्रशासन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं हरियाणा अध्ययन केंद्र की पूर्व निदेशिका प्रो. अंजना गर्ग अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। आंतरिक शिकायत समिति की पीठासीन अधिकारी कमल टंडन ने मुख्य वक्ता का छात्रों के समक्ष परिचय देते हुए उनका हार्दिक स्वागत किया। प्रो. अंजना गर्ग जी ने अपने व्यक्तव्य में बताया कि सभी शैक्षिक संस्थानों में सुदृढ़ शिकायत समिति का होना आवश्यक है जिसमें एक तिहाई सदस्य महिलाएं हो, इस समिति की तीन महीने में एक बार बैठक कराना जरूरी होगा, तथा बैठक की लिखित सूचना रखनी होगी। शिकायत समिति में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व होना जरूरी है। शिकायत दर्ज होने पर जल्द से जल्द कार्यवाही करवाने के निर्देश हो। प्रो. अंजना गर्ग ने ये भी बताया कि शिकायत समिति का उद्देश्य महिला के प्रति संवेदनशील वातावरण तैयार करना तथा समाज में स्वस्थ मानसिकता प्रदान करना है। और कहा कि महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करनी है, उन पर नियंत्रण नहीं। महिलाएं बहुत संवेदनशील होते हैं, उनसे संवेदनशीलता पूर्ण व्यवहार होना चाहिए उन्होंने समस्त छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि वे अपनी परेशानियों को इस कमेटी को बताएं ताकि समाधान मिले और वे स्वस्थ माहौल में उच्च शिक्षा ले। कमल टंडन ने उनके द्वारा दिए गए शिकायत समिति में सुधार हेतु अनेक सुझावों का स्वागत किया और बताया कि महाविद्यालय में यह समिति पहले से सक्रिय रूप से अपनी महत्ती भूमिका निभा रही है तथा महिला की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। हमारे महाविद्यालय में शिकायत समिति अपने स्तर पर महिला को जागरूक करने हेतु और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समय समय पर विशेष निर्देश जारी का करती है। संरक्षक प्राचार्य डॉ कृष्णकांत गुप्ता के कुशल निर्देशन में इस कार्यशाला को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। आंतरिक समिति के सदस्यों में डॉ. उषा अग्रवाल, डॉ. पूनम आनंद, डॉ. नरेश कामरा, डॉ गीता गुप्ता, डॉ रेनू माहेश्वरी, डॉ. डिंपल, डॉ. मीनू अग्रवाल कार्यशाला में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं का प्रश्नों के माध्यम से समाधान किया। डॉ.पूनम आनंद ने मुख्य वक्ता का धन्यवाद ज्ञापन किया।